**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 3783**

**12 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए**

**रेशम उत्पादन में कमी**

**3783. श्री गौरव गोगोई:**

**क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्या सरकार ने ध्यान दिया है कि असम का दूसरा सबसे बड़ा रेशम उत्पादक गाँव, काकाया कोविड-19 के बाद रेशम उत्पादन में भारी कमी का सामना कर रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार द्वारा प्रभावित रेशम किसानों को वित्तीय सहायता, कच्चे माल की खरीद या बाजार संपर्क के संदर्भ में कोई सहायता प्रदान की गई है;

(ग) क्या सरकार ने असम में रेशम उत्पादन से जुड़ी आजीविका पर महामारी के बाद के प्रभाव का कोई आकलन किया है; और

(घ) क्या सरकार राज्य सरकार के साथ केंद्रित योजनाओं या सहयोग के माध्यम से पारंपरिक रेशम समूहों को पुनर्जीवित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**वस्त्र राज्य मंत्री**

**(श्री पबित्र मार्घेरिटा)**

**(क):** असम सरकार के रेशम उत्पादन निदेशालय के अनुसार, काकाया एक प्रमुख रेशम बुनाई गाँव है जो मुख्य रूप से रेशम और कपास बुनाई का काम करता है। गाँव में कोविड के बाद कोई विशेष गिरावट दर्ज नहीं की गई है।

**(ख):** सिल्क समग्र-2 योजना के तहत सरकार असम सहित देश भर में रेशम उत्पादन उद्योग के विकास के लिए सहायता प्रदान करती है। असम राज्य सरकार (बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद और कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद सहित) से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर, ₹78.14 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है, जिससे रेशम किसानों सहित लगभग 4,000 लोग लाभान्वित हुए हैं।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम और कच्ची सामग्री आपूर्ति योजना के अंतर्गत सरकार पात्र हथकरघा एजेंसियों/कामगारों को कच्ची सामग्री, करघों और एसेसरीज के उन्नयन, सौर प्रकाश व्यवस्था, वर्क-शेड निर्माण, उत्पाद विविधीकरण और डिज़ाइन नवाचार, तकनीकी और साझा अवसंरचना, घरेलू/विदेशी विपणन, मुद्रा ऋण और असम सहित देश भर में हथकरघा क्षेत्र के समग्र विकास और हथकरघा कामगारों के कल्याण के लिए सामाजिक सुरक्षा हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, असम सरकार अपने मुगा मिशन के माध्यम से, 8,268 मुगा रेशम किसानों को सहायता प्रदान करती है।

**(ग):** सरकार ने, केंद्रीय रेशम बोर्ड के माध्यम से रेशम मूल्य श्रृंखला पर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन करने के लिए अप्रैल-मई 2020 के दौरान एक राष्ट्रव्यापी (असम सहित) ऑनलाइन अध्ययन किया है।

**(घ):** क्लस्टर विकास कार्यक्रम के अंतर्गत, असम में 88 छोटे और 2 मेगा हथकरघा क्लस्टरों के लिए ₹102.33 करोड़ जारी किए गए हैं, जिसमें लगभग 71,784 हथकरघा बुनकर शामिल हैं। इसके अलावा, रेशम क्षेत्र के समग्र विकास के लिए असम सहित, राज्य सरकारों के सहयोग से सिल्क समग्र-2 योजना लागू की गई है, जिसमें पारंपरिक रेशम क्लस्टर भी शामिल हैं।

****